(ख) पांचवीं पंचवर्षीय योजना का प्रारूप 1972-73 के मूल्यों के संदर्भ में तथा 1973-74 के प्रथम भाग की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रख कर तैयार किया गया था । देश में 1973-74 में तथा 1974-75 के वर्ष की पहली छमाही में मूल्यों में तेजी से वृद्धि हुई थी । इस अवधि में कच्चे तेल की अन्तर्राष्ट्रीय कीमतों में चार गुने से अधिक वृद्धि हुई और विभिन्न आयातित कच्चे माल निवेश की कीमतों में भी बहुत वृद्धि हुई । यद्यपि देश में मूल्य स्थिति कुछ सीमा तक स्थिर हुई है परन्तु अन्तर्राष्ट्रीय स्थिति अभी भी अनिश्चित बनी हुई है । इन परिणामों से पांचवी पचवर्षीय योजना में अपनाए गए वित्तीय तथा भौतिक आकारों पर विभिन्न मात्राओं में प्रभाव पड़ा है इसलिए, पाचवी योजना में निर्दिष्ट किए गए समाधनों तथा परस्पर अग्रताओं पर फिर से विचार करना आवश्यक हो गया । आयोग में इस प्रयोजन के लिए संबंधित कार्रवाई की जाती रही है, परन्तु अनिश्चितताओं, विशेषकर अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक स्थिति के कारण, योजना को संपूर्ण रूप में प्रस्तुत करने में विलम्ब हुआ है ।

Grant of Pension to Freedom Fighters

169. SHRI RAMAVATAR SHASTRI: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state the number of freedom fighters, State-wise who applied for pension and the number of those sanctioned pension so far?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI F. H. MOHSIN): The information is given in the statement laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See No. LT-10006/76.*]

पटना जिले के मसौढ़ी प्रखण्ड के धोरहुआं ग्राम में नक्सलवादियों की हत्या

170. **श्री रामावतार शास्त्री** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सी० आर० पी० तथा पुलिस के दूसरे लोगों ने गत 3 जून, 1975 को पटना जिले में मसौढ़ी प्रखण्ड के धोरहुआं ग्राम में 15 कथित नक्सलवादियों की नशंस हत्या कर दी थी ;

(ख) क्या हत्या करने से पूर्व पुलिस ने हरिजन बस्ती को आग लगा दी थी जिसमें चार व्यक्ति जल कर मर गये ;

(ग) क्या भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की बिहार राज्य परिषद् तथा अन्य संगठनों एवं व्यक्तियों ने इस घटना की न्यायिक जांच की मांग की है ; और

(घ) यदि हां, तो सरकार की इस मांग के बारे में क्या प्रतिक्रिया है ?

गृह मंत्रालय में उपमंत्री (श्री एफ० एच० मोहसिन) : (क) नहीं, श्रीमान जी ।

3 जून, 1975 को जब सी० आर० पी० एफ० की एक टुकड़ी बिहार के पटना जिले में मसौढ़ी प्रखण्ड के धोरहुआं ग्राम में गश्त पर थी, तो उग्रवादियों के एक दल ने बमों तथा बन्दुकों आदि से उन पर हमला किया । मुठभेड में 15 नक्सलवादी मारे गये तथा एक घायल हुआ । पुलिस की ओर से सी० आर० पी० एफ० का एक सब-इंस्पेक्टर मारा गया तथा एक सी० आर० पी० एफ० लैसनायक, एक सी० आर० पी० एफ० जवान तथा एक दर्जन राज्य पुलिस कर्मचारी घायल हुये । उग्रवादियों से भारी मात्रा में गोला बारूद, बम, पुलिस की वर्दियां, तलवारें, बरछियां तथा नक्सलवादी